ICAR-Indian Agricultural Research Institute Regional Station, Shimla

भाकृ अनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला

प्रैस विज्ञप्ति

चैलचौक में अनुसूचित जाति उप योजना के अंतगर्त प्रशिक्षण एवं कृषि सामाग्री वितरण कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, शिमला द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, सुंदरनगर (मंडी) के सहयोग से चैलचौक में भारत सरकार की अनुसूचित जाति उप-योजना, के अंतर्गत 100 किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं बीज/कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें चैलचौक, नेहरा तथा बाल्हड़ी, तहसील चच्योट, मंडी, हिमाचल प्रदेश के किसानों ने भाग लिया। किसानों को गेहूं की उन्नत किस्म एच एस 562 का बीज तथा कृषि सामग्री जैसे स्टील की बाल्टी, क्रेट, तिरपाल, कैप इत्यादि भी वितरित किए गए। भारत सरकार की अनुसूचित जाति उप योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा खेती को अधिक लाभदायक बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, शिमला के प्रमुख डॉ धर्मपाल ने की जिन्होंने किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा गेहूं की उत्पादकता एवं पोषक तत्वों से भरपूर उन्नत किस्म एच एस 562 की विशेषताओं एवं वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के बारे में बताया। डॉ पंकज सूद, कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केंद्र मंडी ने रबी मौसम में विभिन्न फसलों की खेती तथा कृषि उद्यमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । कृषि विज्ञान केंद्र मंडी की मृदा वैज्ञानिक डॉ नेहा चौहान ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में विशिस्ट अतिथि श्रीमति इंदिरा देवी, प्रधान ग्राम पंचायत, चैलचौक रही जिन्होंने किसानों से आग्रह किया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं जिससे की उनकी आजीवका में सुधार हो सके। कार्यक्रम के अंत में किसान - वैज्ञानिक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया जिसके दौरान किसानों द्वारा रखी गई समस्याओं का वैज्ञानिकों द्वारा समाधान किया गया। कार्यक्रम में कृषि उपज मंडी समिति के प्रधान श्री महेंद्र पाल तथा मंडी जिला के प्रगतिशील किसान श्री कुंदन लाल, चंपा देवी , कृष्णा एवं मीना देवी भी उपस्थित रहे।